खुशहाल करती मालामाल करती शेरावाली अपने भक्तों को निहाल करती

खुशहाल करती मालो माल करती,
शेरावाली अपने भक्तों को निहाल करती,

अम्बे रानी वरदानी बैठी खोल के भंडारे,
झोली ले गया भरा के आया चलके जो द्वारे,
नहीं टाल करती तत्काल करती,
शेरावाली अपने भक्तों को निहाल करती,

हर दुख जाए टल हर मुश्किल को हल,
झोपड़ी से हो महल नहीं लागे एक पल,
मां कमाल करती बेमिसाल करती,
शेरावाली अपने भक्तों को निहाल करती,

मां के नाम वाला अमृत जो पी ले एक बार,
होगा बाल ना बांका चाहे बैरी हो संसार,
रक्षा आप सरल बन ढाल करती,
शेरावाली अपने भक्तों को निहाल करती,

लक्खा लाखों के बदल डाले लिखे मां ने लेख,
टाटा नगर वाले शर्मा की ओर भी तो देख,
ना संभाल करती ना ख्याल करती,
शेरावाली अपने भक्तों को निहाल करती,

कुमार सुनील फोक सिंगर
हिसार हरियाणा भारत
98123 01662

स्वर : लखबीर सिंह लक्खा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7314/title/khushaal-karti-malamaal-karti-shervali-apne-bhakto-ko-nihal-karti

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |